माध्यमिक अंग्रेज़ी

समग्र-कक्षा लेखन दिनचर्याएं

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेज़ी
श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेज़ी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्रों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये *भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार* किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in) /* मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त- पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: . इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 SE07v1
Bihar

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन- शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

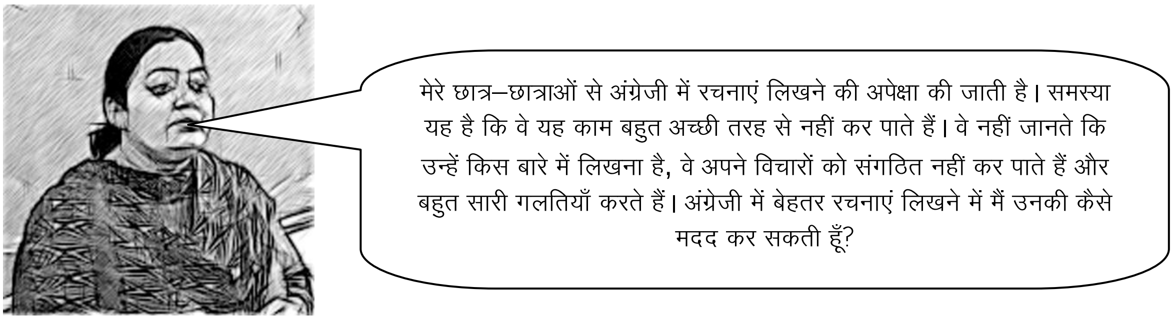

यह इकाई आपके छात्र–छात्राओं के लेखन कौशलों को विकसित करने में उनकी सहायता करने के बारे में है ताकि वे बेहतर रचनाएं लिख सकें। माध्यमिक स्तर पर, छात्र–छात्राओं से विविध प्रकार के पाठों की रचना करने की अपेक्षा की जाती है जैसे कहानियाँ, पत्र और आवेदन पत्र, रिपोर्ट और लेख। कई छात्र–छात्राओं को इस काम के लिए जूझना पड़ता है। इसके कई कारण हो सकते हैं – उदाहरण के लिए:

- उनके पास क्या लिखना है इसके बारे में अधिक विचार नहीं होते हैं
- उन्हें अपने विचारों को तर्कसंगत ढंग से संगठित करने में कठिनाई होती है
- वे भाषा संबंधी बहुत सारी गलतियाँ करते हैं।

इस इकाई में आपको ऐसी कुछ तकनीकें दिखाई गई हैं जिनका उपयोग आप अपनी कक्षा में अपने छात्र–छात्राओं को अंग्रेजी में बेहतर रचनाएं लिखने में मदद करने के लिए कर सकते हैं। इसमें बताया गया है कि आप अपने छात्र–छात्राओं को इसपर विचार उत्पन्न करने, प्रथम मसौदों की योजना बनाने, फिर लिखने तथा उनके संपादन एवं समीक्षा करने में कैसे मदद कर सकते हैं। इससे उन्हें अपने लेखन कौशल विकसित करने और किसी भी भाषा में बेहतर लेखक बनने में मदद मिलेगी।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- अपने पाठों में विचार-मंथन का किस प्रकार उपयोग किया जाए।
- जोड़ी में कार्य का उपयोग छात्र–छात्राओं को योजना बनाने और प्रथम मसौदा लिखने में मदद करने के लिए कैसे करें।
- लिखित काम को सुधारने के लिए सहपाठी समीक्षाओं का उपयोग कैसे करें।

1 लेखन के लिए विचार उत्पन्न करना

किसी अन्य भाषा में लिखना कठिन होता है। जब छात्र–छात्रा अंग्रेजी में लिखते हैं, तब उन्हें व्याकरण और शब्दावली, सही विराम चिह्नों के उपयोग, और स्पेलिंग (वर्तनी) जैसी चीजों के बारे में सोचना पड़ता है। विद्यालय में लिखते समय, आपके छात्र–छात्राओं को गलतियाँ करने और कम ग्रेड प्राप्त करने से संबंधित चिंता हो सकती है। बेशक, ये बातें महत्वपूर्ण हैं, लेकिन लेखन इन सब पहलुओं से कहीं बड़ी चीज है।

जब आप कोई बात लिखते हैं, तो आप अपने पाठक से कुछ कहना चाहते हैं। वह पाठक आप स्वयं (उदाहरण के लिए, यदि आपने अपने द्वारा पढ़ी हुई किसी बात पर कोई नोट्स लिखें हैं, या आपने खरीददारी की सूची बनाई है) हो सकते हैं या कोई और व्यक्ति (एक उदाहरण है आपके द्वारा लिखित आवेदन पत्र को आपके प्रधानाध्यापक द्वारा पढ़ा जाना) भी हो सकता है। लिखते समय, आपने अपने संदेशों को सर्वोत्तम ढंग से संगठित करने पर विचार किया होगा। यह भी हो सकता है कि आपने एक से अधिक मसौदा लिखा हो या किसी से अपने काम की जाँच करने को कहा हो – खास तौर पर यदि लेखन किसी महत्वपूर्ण चीज के बारे में है या उसे सार्वजनिक किया जाना है।

प्रभावी लेखक उस भाषा के बारे में सोचते हैं जिसका वे उपयोग कर रहे हैं लेकिन वे इस पर भी विचार करते हैं कि वे क्या कहना चाहते हैं और उनके भावी पाठक उनके लेखन के बारे में क्या सोचेंगे। वे सोचते हैं कि अपनी बातों को तर्कसंगत रूप से कैसे संगठित करें ताकि उनकी लिखी बात स्पष्ट – और रोचक रहे। वे अपने काम की समीक्षा करते हैं और संभवतः एक से अधिक मसौदे लिखते हैं; अंतिम मसौदा लिखने से पहले वे अन्य लोगों से अपने काम की समीक्षा करने को भी कह सकते हैं।

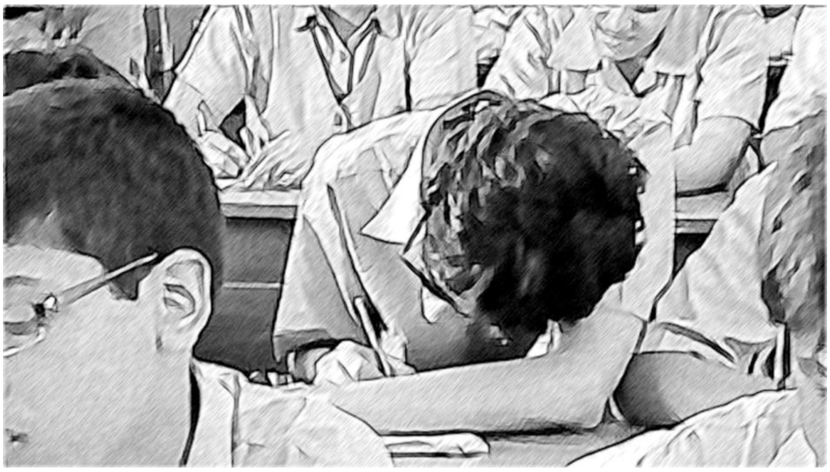

चित्र 1: किसी अन्य भाषा में लिखना कठिन होता है, लेकिन आप प्रभावी लेखन प्रथाएं विकसित करने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद कर सकते हैं।

आप प्रभावी लेखन के कौशल विकसित करने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद कर सकते हैं। इससे ऐसी बेहतर अंग्रेजी रचनाएं लिखने में उन्हें मदद मिलेगी जिनमें विचार तर्कसंगत ढंग से संगठित हैं, जो पढ़ने में दिलचस्प हैं और अधिक सटीक हैं। ये कौशल अन्य भाषाओं में लिखने में भी उपयोगी होंगे। विचारों को संगठित करने, काम की समीक्षा करने और मसौदे लिखने की प्रक्रिया उन्हें सामान्य तौर पर अधिक प्रभावी लेखक बनाएगी।

किसी भी भाषा के लेखक के लिए यह जानना एक समस्या होती है कि क्या कहना चाहिए। अंग्रेजी में लिखते समय यह विशेष रूप से कठिन हो सकता है। कभी-कभी पाठ्यपुस्तक के विषय कठिन होते हैं; कभी-कभी छात्र–छात्राओं के पास वह भाषा नहीं होती जिसकी उन्हें इन विषयों के बारे में लिखने की जरूरत होती है।

ज़रा सोचिए

- कल्पना करें कि आपके छात्र–छात्राओं को ‘Pollution’ शीर्षक वाली एक निबंध लिखनी है। आपके ख्याल से उन्हें क्या समस्याएं हो सकती हैं?

पढ़ें कि यह छात्रा क्या सोच रही है:

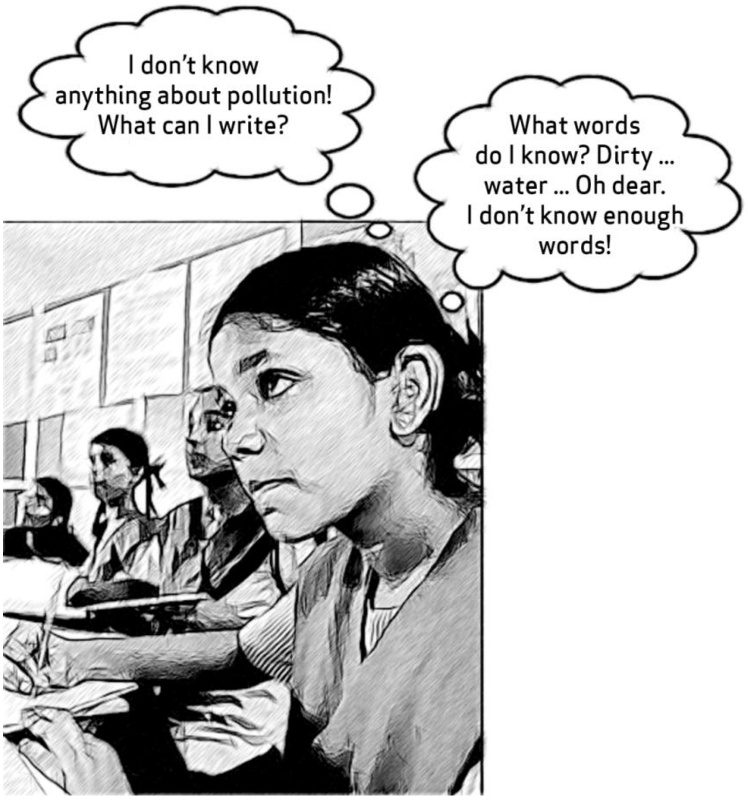

प्रदूषण जैसे विषय के साथ, छात्र–छात्राओं को हो सकता है अधिक पता न हो – और यदि हो भी तो, हो सकता है कि उनके पास उसके बारे में अंग्रेजी में लिख सकने के लिए भाषा कौशल न हों। इसका मतलब है उन्हें एक या दो पंक्तियों से अधिक लिखने में कठिनाई हो सकती है।

ज़रा सोचिए

इन प्रश्नों के बारे में सोचें और, यदि संभव हो तो, किसी सहकर्मी के साथ उन पर चर्चा करें:

- क्या लिखना है इस बारे में कुछ विचार पाने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद आप कैसे कर सकते हैं?
- आप भाषा के बारे में उनकी मदद कैसे कर सकते हैं?

एक तकनीक जिसका उपयोग आप विचार और भाषा उत्पन्न करने के लिए कर सकते हैं वह है *brainstorming या विचार मंथन*। इसमें छात्र–छात्राओं को एक संकेत देना होता है – उदाहरण के लिए, ब्लैकबोर्ड पर लिखा शब्द 'pollution', या किसी अखबार से लिए गए प्रदूषित नदी या शहर के चित्र – और फिर अपने छात्र–छात्राओं से उस शब्द या चित्र से संबंधित विचार एकत्र करना। आप छात्र–छात्राओं के विचारों को ब्लैकबोर्ड पर लिख सकते हैं, या आपकी कक्षा समूहों में काम कर सकती है, जिनमें एक छात्र सभी विचारों को उनकी नोटबुकों में या चार्ट पेपर पर नोट करता है। छात्र–छात्राओं को उनकी कल्पना का उपयोग करने और उनसे जितने संभव हो उतने शब्द और विचार सुझाने को कहें।

अपने विचार प्रकट कर देने के बाद, छात्र–छात्राओं को उनपर चर्चा करना और निश्चय करना होगा कि किन विचारों को रखना है। यह आप सारी कक्षा के साथ कर सकते हैं, या यदि छात्र–छात्रा समूहों में काम कर रहे हैं, तो समूह के सदस्य यह काम मिलकर कर सकते हैं।

Brainstorming कक्षा में उपयोग के लिए एक मददगार तकनीक है क्योंकि यह:

- विषय-वस्तु पर विचार उपलब्ध कराती है ताकि छात्र–छात्रा समझ सकें कि उन्हें किस विषय में लिखना (या बोलना) है
- मुख्य शब्द और वाक्यांश उपलब्ध कराती है जिनका उपयोग वे लिखते (या बोलते) समय कर सकते हैं
- जिन छात्र–छात्राओं को अधिक सहायता चाहिए उनकी मदद करती है
- यह देखने में आपकी सहायता करती है कि आपके छात्र–छात्राओं को पिछले पाठों में से क्या याद है और उन्हें पहले से ही क्या जानकारी है
- छात्र–छात्राओं को साझा करने और एक दूसरे से सीखने के लिए प्रोत्साहित करती है
- सृजनात्मकता विकसित करती है
- कम आश्वस्त छात्र–छात्राओं को आमने-सामने की पूछताछ जहाँ सारी कक्षा उनके उत्तर की प्रतीक्षा करती है से बचाते हुए विचारों का योगदान करने को प्रोत्साहित करती है ।

	वर्ग IX की अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक Panorama part I,और वर्ग X की अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक Panorama part II के अभ्यास के प्रश्नों के अंतर्गत c-3 (composition) के संदर्भ में यह उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

विचारमंथन और छात्र–छात्राओं से बातचीत करवाने की महत्ता पर अधिक जानने के लिए देखें संसाधन 1, 'सीखने के लिए बातचीत करें'।

वीडियो: सीखने के लिए बातचीत

केस स्टडी 1: श्रीमती रज़िया अपनी अंग्रेजी कक्षा में एक विचारमंथन सत्र आजमाती हैं

श्रीमती रज़िया कक्षा 9 को अंग्रेजी पढ़ाती हैं। उनके विद्यालय के हिंदी शिक्षक ने उन्हें विचारमंथन के बारे में बताया, और श्रीमती रज़िया ने उसे अपने छात्र–छात्राओं के साथ आजमाया।

हम जिस पाठ का अध्ययन कर रहे थे मैंने उसके लेखन कार्य के साथ brainstorming सत्र आजमाने का निश्चय किया। [Chapter 8 of the NCERT Class IX textbook *Beehive* – पूर्ण पाठ के लिए संसाधन 2 देखें।] लेखन के काम में निम्नलिखित निर्देश थे:

> Working in pairs, go through the table below that gives you information about the top women tennis players since 1975. Write a short article for your school magazine comparing and contrasting the players in terms of their duration at the top. Mention some qualities that you think may be responsible for their brief or long stay at the top spot.

मेरे छात्र–छात्राओं द्वारा निर्देशों को पढ़ लेने के बाद, मैंने सफल टेनिस खिलाड़ी के गुणों और लेखन के काम के लिए भाषा के बारे में कुछ विचार उत्पन्न करने के लिए चंद प्रश्न पूछे।

मैंने अपने छात्र–छात्राओं से कहा कि यदि आवश्यक हो तो वे अपनी स्थानीय भाषा में बोल सकते हैं, और जब वे शब्दों और अभिव्यक्तियों के सुझाव दे रहे थे, मैं उन्हें बोर्ड पर अंग्रेजी में लिखती गई। कुछ छात्र–छात्राओं ने अंग्रेजी में सुझाव दिए, और उन्होंने प्रायः गलतियाँ कीं; उदाहरण के लिए एक छात्र ने 'shorter as' की बजाय 'shorter than' कहा। तथापि, मैंने उसकी गलती नहीं सुधारी – मैंने बस उसे अंग्रेजी में सही तरह से कहा और सही स्वरूप को बोर्ड पर लिखा। सबसे महत्वपूर्ण बात थी विचार प्राप्त करना, और यदि मैं हर किसी को बोलते समय सही करती, तो वे निरुत्साहित हो सकते थे।

जब मैं बोर्ड पर शब्द और वाक्यांश लिख रही थी, तब मैं उन्हें पढ़कर सुनाती गई ताकि छात्र–छात्रा किसी भी नये शब्द के उच्चारण को सुन सकें, और मैंने जाँच की कि छात्र–छात्राओं को अर्थ समझ में आ रहे थे। मैंने लिखते समय शब्दों और विचारों को विभिन्न उप-विषयों में भी संगठित किया जैसे 'qualities' और 'phrases for comparing'। कभी-कभी, छात्र–छात्रा ऐसे सुझाव देते थे जो अधिक उपयोगी नहीं थे। कलिका ने 'nervous' को गुण के रूप में सुझाया। मैंने किसी भी तरह उसे बोर्ड पर लिखा। सभी विचारों के बोर्ड पर आ जाने के बाद, हमने उन पर चर्चा की और कुछ शब्दों और वाक्यांशों को अस्वीकार करने का निश्चय किया ('nervous' शब्द सहित)।

विचारमंथन सत्र के अंत में, मेरा बोर्ड ऐसा दिखाई दे रहा था:

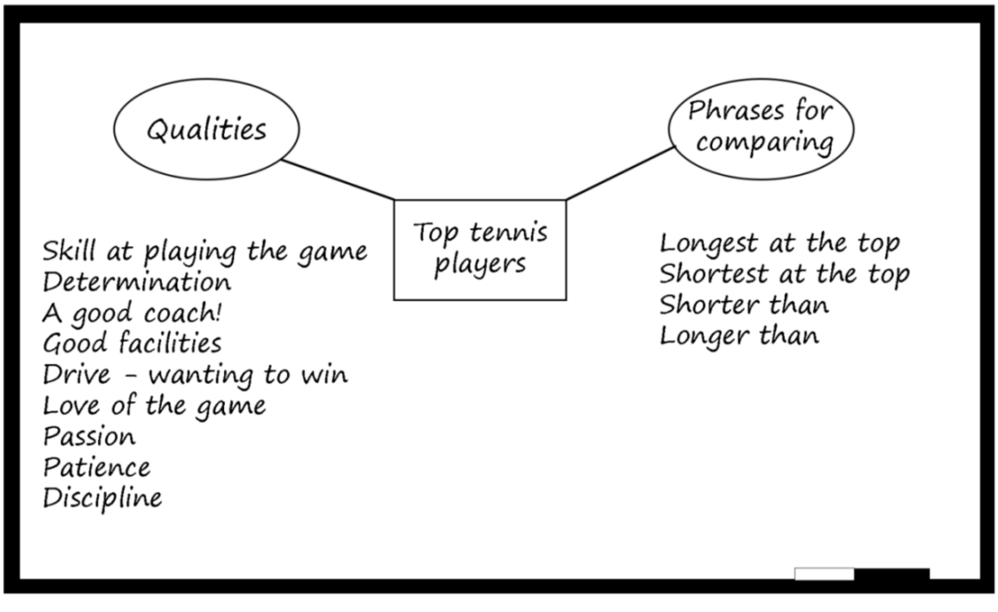

मैंने अपने छात्र–छात्राओं को जोड़ियों में संगठित किया, और उन्हें लेखन का काम करने को कहा। मैं जानती थी कि कुछ शिक्षक छात्र–छात्राओं के जोड़ियों में काम करने से घबराते हैं – उन्हें लगता है कि कमज़ोर छात्र–छात्रा बस जानकार

छात्र–छात्राओं की नकल कर लेंगे। मुझे यह बात कभी-कभी होती नज़र आती है, लेकिन जब छात्र–छात्रा जोड़ियों में काम करते हैं तब वे अधिक विचार उत्पन्न करने में सक्षम होते हैं, और यह चर्चा करने में सक्षम होते हैं कि बोर्ड पर लिखी भाषा का उपयोग कैसे किया जाय। इस तरह, हर एक को फायदा होता है।

जब कक्षा ने काम खत्म कर लिया, तब मैंने अपने कुछ छात्र–छात्राओं के लिखित काम को देखने के लिए लिया। मैं यह देखकर खुश थी कि छात्र–छात्राओं ने सामान्य से अधिक लिखा था, और उन्होंने नई भाषा का अच्छा प्रयोग किया था।

अगली बार पाठ्यपुस्तक में लेखन का काम होने पर मैं इसे दोबारा आज़माऊँगी। तथापि, अगली बार, मैं अपने छात्र–छात्राओं से अपने विचारों पर समूहों में पहले विचारमंथन करने को कहूँगी। इससे अधिक छात्र–छात्राओं को गतिविधि में योगदान करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

गतिविधि 1: कक्षा में आजमाएं – लेखन के काम के लिए विचारमंथन का उपयोग करना

आप विचारमंथन का उपयोग किसी भी कक्षा में, और पाठ्यपुस्तक के कई अलग अलग लेखन के कामों के साथ कर सकते हैं। इसे अपने छात्र–छात्राओं के साथ आजमाने के लिए इन चरणों का पालन करें:

1. पाठ के शुरू होने से पहले, अपनी पाठ्यपुस्तक या विषय से लेखन का कोई काम चुनें जिसके बारे में आपके छात्र–छात्राओं को परीक्षा में लिखना है (जैसे 'My favourite festival' या 'My favourite leader')।
2. कल्पना करें कि आपको यह रचना लिखनी है। कौन से शब्द और वाक्यांश उपयोगी हैं? उन्हें लिख लें। वे प्रश्न लिखें जो आप विषय के बारे में विचार उत्पन्न करने में छात्र–छात्राओं की मदद करने के लिए उनसे पूछेंगे। यह आपको पाठ के लिए तैयार करता है।
3. कक्षा में, ब्लैकबोर्ड के केंद्र में विषय का शीर्षक लिखें (जैसे 'My favourite leader'), या अपने छात्र–छात्राओं से अपनी पाठ्यपुस्तकों में लेखन के काम के लिए निर्देश पढ़ने को कहें।
4. विषय के बारे में विचार उत्पन्न करने के लिए कुछ प्रश्न पूछें। विचारों का योगदान करने के लिए अलग अलग छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करें। यदि आपके छात्र–छात्राओं को अंग्रेजी में विचार सोचने में कठिनाई हो रही है, तो उन्हें किसी अन्य भाषा का उपयोग करने दें और फिर अन्य छात्र–छात्राओं से अनुवाद करने को कहें। जब वे विचार उत्पन्न कर रहे हों, तब उन्हें बोर्ड पर लिखें। यदि उन्हें कठिनाई हो रही हो, तो आप कुछ संकेत देने वाले प्रश्न पूछ सकते हैं – लेकिन केवल अंतिम कोशिश के रूप में ही, क्योंकि विचारमंथन का मतलब छात्र–छात्राओं के विचारों का मूल्यांकन करना और उन्हें एकत्र करना है।
   'My favourite leader' के कुछ उदाहरण ये हैं:

   Which leaders do you know?
   What do you already know about the leader? When was he born?
   What qualities did this person have? Why did he or she become a leader?
   What were the person's achievements?
   Why do people remember this person today?

5. जब छात्र–छात्रा विचार सुझाना समाप्त कर लें, तब बोर्ड पर बहुत सारे शब्द होने चाहिए। इस चरण पर, चर्चा करें कि छात्र–छात्रा अपने विचारों को कैसे संगठित कर सकते हैं। कौन से शब्द और वाक्यांश आपस में संबंध रखते हैं? कौन से विचार पहले आ सकते हैं?
6. अपने छात्र–छात्राओं से विषय के बारे में लिखने को कहें, और एक समय सीमा तय करें। वे अकेले या जोड़ियों में काम कर सकते हैं।

ज़रा सोचिए

इस गतिविधि को आजमाने के बाद यहाँ आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या अलग अलग छात्र–छात्राओं ने मंथन सत्र में योगदान किया?
- क्या विचारमंथन के विचारों ने उनके लेखन में मदद की?

शुरू में छात्र–छात्राओं के लिए योगदान करना कठिन हो सकता है, और आपको लग सकता है कि एक या दो छात्र–छात्रा हावी हो रहे हैं। यदि यह बात है, तो आप छात्र–छात्राओं को समूहों में रख सकते हैं और उन्हें विचारों, शब्दों और वाक्यांशों पर चर्चा करने के लिए कुछ समय (उदाहरण के लिए, पाँच मिनट) दे सकते हैं।

विचारमंथन तकनीक का उपयोग करने का एक विकल्प है विषय को एक या दो सप्ताह पहले घोषित करना ताकि हर एक को उसके बारे में सोचने और उस पर शोध करने का मौका मिले। फिर जब आप कक्षा से विचारों के लिए पूछें, तब अधिकांश छात्र–छात्रा योगदान देने में सक्षम होंगे।

	Panorama part I. class IX तथा Panorama part II class X के अभ्यास के प्रश्नों के अंतर्गत c-3 (composition) से संबंधित कार्य के लिए उपयोगी हो सकता है।

2 पाठ लेखन को सार्थक बनाना

लिखने से पहले, छात्र–छात्राओं को अपने विचारों और जानकारी को संगठित करने की जरूरत पड़ती है। ऐसा वे अपनी नोटबुक में नोट्स लिखकर कर सकते हैं, और काम करते समय अपने विचारों को साझा कर सकते हैं।

जब छात्र–छात्रा लिखित काम की योजना बनाते हैं, तब यह महत्वपूर्ण होता है कि उन्हें पता हो कि वे किस प्रकार का लेखन कर रहे हैं और उनके संभावित पाठक कौन हैं।

छात्र–छात्राओं से विचारों को साझा करवाना और जोड़ियों में योजना बनवाना बहुत उपयोगी हो सकता है क्योंकि इससे:

- छात्र–छात्राओं में लिखने की अपनी योग्यता में आत्मविश्वास जगाता है।
- छात्र–छात्राओं को लेखन और भाषा के कौशल का विकास करने में मदद मिलती है
- छात्र–छात्रा एक दूसरे से सीखने में सक्षम होते हैं
- हर एक की भागीदारी सुनिश्चित होती है।

केस स्टडी 2: लेखन में जोड़ी में कार्य का उपयोग करना

श्रीमती रूची कक्षा 9 को अंग्रेजी पढ़ाती हैं। उनके छात्र–छात्रा एक निमंत्रण पत्र लिख रहे हैं। सबसे पहले, सभी छात्र–छात्राओं से निमंत्रण पत्रों के बारे में सोचना शुरू करवाने के लिए विचार माँगे।

छात्र–छात्राओं ने अपने विचार साझा किए और मैंने उन्हें बोर्ड पर लिखा। फिर मैंने उनसे पत्रों के बारे में कुछ प्रश्न पूछे, और यह जानना चाहा कि आम तौर पर उन्हे कैसे संरचित या संयोजित किया जाता है।

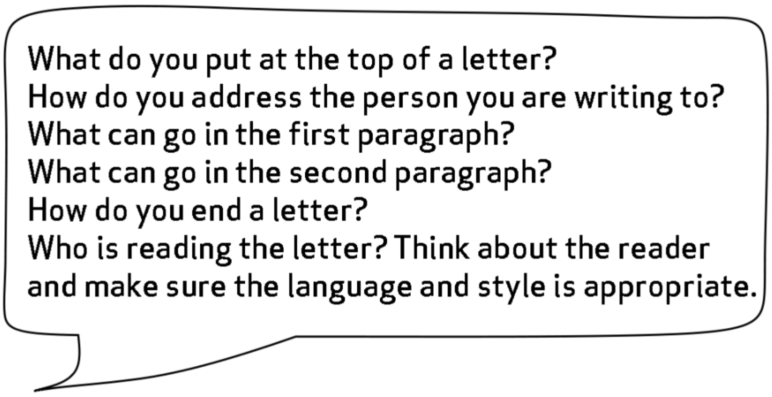

फिर मैंने छात्र–छात्राओं से यह तय करने कि वे अपने द्वारा सुझाए गए विचारों का उपयोग करके किस तरह का निमंत्रण पत्र लिखना चाहते हैं (उदाहरण के लिए, किसी मित्र को भाई के विवाह में निमंत्रित करना), और पत्र में वे क्या शामिल करना चाहते हैं, और वे उसे कैसे संयोजित करने जा रहे हैं इस बारे में कुछ नोट्स लिखने को कहा। ऐसा करने के लिए मैंने उन्हें पाँच मिनट दिए।

इसके बाद, मैंने अपने छात्र–छात्राओं से जोड़ियों में काम करने और अपने प्रारंभिक नोट्स को साझा करने और उन पर चर्चा करने के लिए कहा। मैंने छात्र–छात्राओं से जो कुछ उन्होंने लिखा ता उसमें कुछ जोड़ने या हटाने, और पत्र किस तरह से संयोजित होगा इस पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जब छात्र–छात्रा अपने विचारों पर एक दूसरे के साथ, और मेरे साथ चर्चा कर रहे थे तब कक्षा रोमांचित थी। उन्होंने कक्षा के शब्दकोष में भी शब्दों की तलाश की। जब वे काम कर रहे थे, तब मैं, यह जाँच करते हुए कि क्या हो रहा था, और जरूरत होने पर छात्र–छात्राओं की मदद करते हुए, कक्षा में घूम रही थी। मैंने छात्र–छात्राओं को अपनी चर्चाओं में अंग्रेजी का उपयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित किया, जिसके लिए मैं स्वयं उनसे यथासंभव अंग्रेजी में बात कर रही थी।

चित्र 2: कक्षा में घूमने और छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करने से उन्हें अपने अंग्रेजी के उपयोग को सुधारने में मदद मिलेगी।

छात्र–छात्राओं द्वारा अपने–अपने विचारों को साझा कर लेने के बाद, प्रत्येक छात्र ने अपने पत्र का पहला मसौदा लिखा। एक बार फिर, मैंने उन्हें लिखते हुए देखने के लिए कमरे में चक्कर लगाया। मैंने देखा कि अधिकांश छात्र–छात्राओं के पत्र हमेशा की अपेक्षा बेहतर गुणवत्ता के थे, और विचारों को काफी अधिक तर्कसंगत रूप से संयोजित किया गया था।

जब छात्र–छात्राओं ने अपने पत्रों को लिखना समाप्त कर लिया तो, मैंने उनसे अपने पत्रों को एक दूसरे के साथ अदला-बदली करने और ऐसा दिखावा करने को कहा कि जैसे वे वह व्यक्ति हैं जिन्हें पत्र संबोधित किया गया है। फिर उन्हें पत्र का जवाब लिखने को कहा गया। छात्र–छात्राओं को यह देख कर बहुत आनंद आया कि उनके पत्र के जवाब में क्या लिखा गया था! इससे मुझे पता चला कि जब हम कोई बात लिखते हैं, तब आम तौर पर पाठक को ध्यान में रखा जाता है। छात्र–छात्राओं के लिए यह जानना अच्छा होता है कि वे जो कुछ अंग्रेजी में लिख रहे हैं उसे कोई पढ़ने वाला है, और वे जो कुछ लिखेंगे वह उसका जवाब देगा।

इस केस स्टडी में, श्रीमती रूची ने अपने छात्र–छात्राओं को, इससे पहले कि वे पत्र लिखना शुरू करें, निमंत्रण पत्र की संरचना से परिचित करने में समय व्यतीत किया।

यह महत्वपूर्ण है कि लिखना शुरू करने से पहले छात्र–छात्रा अलग–अलग लेखन की संरचनाओं से परिचित हों – आप उन्हें अलग अलग लेखन के उदाहरण और मॉडल दिखा सकते हैं (*देखें* इकाई *अंग्रेजी में स्वतंत्र लेखन का समर्थन करना*)। यदि आप छात्र–छात्राओं के लिखना शुरू करने से पहले अलग अलग पाठों की विशेषताओं की चर्चा करने के लिए इन उदाहरणों का उपयोग करते हैं तो छात्र–छात्राओं को मदद मिलेगी। चर्चा के मुख्य बिंदुओं में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- Is it factual or opinionated?
- Is it formal or informal?
- What kind of verb tenses are used?

गतिविधि 2: विचारमंथन के लिए उपयुक्त संकेतों पर विचार करना
अपनी कक्षा में इसी तरह का दृष्टिकोण आजमाने के लिए इन चरणों का अनुसरण करें: 1. अपनी पाठ्यपुस्तक से कोई लेखन कार्य, या वह काम जिसे आपके छात्र–छात्रा सामान्य तौर पर अपनी परीक्षाओं के लिए करते हैं, चुनें। उदाहरण के लिए: निमंत्रण पत्र, या आवेदन पत्र; पिकनिक जैसे किसी विषय पर निबन्ध;

अखबार से लेख या रिपोर्ट; डायरी का कोई पृष्ठ, इत्यादि।

2. समग्र कक्षा के साथ या छात्र–छात्राओं के समूहों के साथ विषय के बारे में विचारमंथन सत्र करें।
3. पाठ को संयोजित करने में छात्र–छात्राओं की मदद करने के लिए प्रश्न पूछें। उदाहरण के लिए, कल्पना करें कि आपके छात्र–छात्राओं को स्थानीय क्रिकेट मैच के बारे में अखबार के लिए रिपोर्ट लिखनी है। आप उनसे निम्नलिखित प्रश्न पूछ सकते हैं:

   Have you ever read a cricket report? What is usually included?
   Who is going to read the report? What will the readers be interested in? What will they want to know?
   What is essential to include for these readers? What is not essential to include?
   The first paragraph should grab attention. How will you do that?
   The first paragraph should include the most important information, and later paragraphs should give more information.
   What information will you include?
   How will you end the report?

4. छात्र–छात्राओं को अपने–अपने विचार अपने से नोट करने के लिए थोड़ा समय (जैसे पाँच मिनट) दें।
5. छात्र–छात्राओं को जोड़ियों में रखें और उनसे अपने विचार साझा करने को कहें और उन्हें संयोजित करने के तरीके पर चर्चा करें। सहपाठियों की राय छात्र–छात्राओं को बेहतर सीखने की योजना बनाने में मदद करती है – वे विचारों को जोड़ या हटा सकते हैं; या वे अपने विचारों को अलग ढंग से संयोजित करने का निश्चय कर सकते हैं। एक बार फिर, इस गतिविधि के लिए समय सीमा दें (जैसे दस मिनट)। इससे छात्र–छात्रा प्रेरित और वे जो काम कर रहे हैं उस पर संकेंद्रित रहते हैं। जब हर एक व्यक्ति काम में लगा हो तब कमरे में घूमें और जहाँ जरूरी हो मदद करें।
6. छात्र–छात्राओं से लेखन कार्य करने को कहें, और उपयुक्त समय सीमा दें। उन्हें अपनी योजना का पालन करने की; पाठ को अनुच्छेदों में बाँटने की; स्पेलिंग और व्याकरण पर ध्यान देने की; और यह ध्यान में रखने की कि पाठक कौन है (इस मामले में, कोई खेल प्रशंसक!) याद दिलाएं

ज़रा सोचिए

इस गतिविधि को आजमाने के बाद यहाँ आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या आपके छात्र–छात्रा विचारों और योजना को जोड़ियों में साझा करने में सक्षम थे? यदि नहीं, तो आप जोड़ियों में बेहतर काम करने में उनकी मदद कैसे कर सकते हैं?
- क्या आपके छात्र–छात्राओं को योजना बनाने के लिए पर्याप्त समय मिला?

याद रखें कि आप अधिक प्रभावी जोड़ियाँ बनाने के लिए अपने समूहों के छात्र–छात्राओं को बदल सकते हैं। कभी-कभी छात्र एक दूसरे के साथ काम करते–करते ऊब जाते हैं; कभी-कभी छात्र समान योग्यता वाले छात्र–छात्राओं के साथ बेहतर काम करते हैं। प्रयोग करें और देखें क्या सबसे अच्छी तरह से काम करता है। योजना बनाने में समय लगता है, और समय की सीमा काम या विषय के अनुसार भिन्न हो सकती है। योजना बनाने के लिए समय सीमा देना, और छात्र–छात्राओं को योजना बनाने के लाभ बतलाना एक अच्छा विचार हो सकता है।

3 सहपाठी समीक्षा का उपयोग करना

'समीक्षा करने' का अर्थ है लिखे गए काम को पढ़ना और उसे सुधारने के तरीके खोजना। छात्र–छात्राओं के लिए अपने स्वयं के लेखन की समीक्षा करना संभव है, हालांकि लेखकों के लिए प्रायः स्वयं अपनी गलतियाँ देखना और ऐसे क्षेत्रों की पहचान करना कठिन हो सकता है जिनमें वे सुधार कर सकते हैं।

एक कार्यनीति जिसका उपयोग आप कर सकते हैं वह है *peer review* करवाना, जिसका मतलब है छात्र–छात्राओं से एक दूसरे के लिखित कार्य को पढ़वाना और उस पर टिप्पणी करवाना। यह बहुत उपयोगी होता है क्योंकि:

- अन्य छात्र–छात्राओं के काम को पढ़कर, छात्र–छात्रा इस बारे में अधिक सजग होते हैं कि इस काम में क्या करना है और इस प्रकार स्व-मूल्यांकन के महत्वपूर्ण कौशल विकसित करते हैं
- शिक्षक/शिक्षिका की तुलना में सहपाठी के विचारों और सुझावों को स्वीकार करना अधिक आसान हो सकता है
- सहपाठी लेखक की अनुभूतियों को अधिक समझ सकते हैं, और अपनी टिप्पणियाँ और सुझाव अधिक मुक्त रूप से प्रकट कर सकते हैं
- छात्र–छात्राओं के लिए अपने सहपाठियों के काम को पढ़ना अत्यंत प्रेरणादायक हो सकता है, और इससे उनको लेखन में अधिक आनंद मिल सकता है।

वीडियो: प्रगति और कार्यप्रदर्शन का आकलन करना

कई शिक्षक/शिक्षिका सहपाठी समीक्षा के बारे में चिंतित होते हैं। गतिविधि 3 आजमाएं, जो आपके छात्र–छात्राओं के साथ सहपाठी समीक्षा का उपयोग करने से संबंधित कुछ मुद्दों का अध्ययन करती है।

गतिविधि 3: सहपाठी समीक्षा का उपयोग करना

यह गतिविधि आपको स्वयं अपने बलबूते पर या अन्य शिक्षक/शिक्षिकाओं के साथ करनी है।

कुछ शिक्षक/शिक्षिकाओं, जैसे केस स्टडी 2 में श्रीमती रूची, के पास छात्र–छात्राओं द्वारा अपने स्वयं के काम या अपने सहपाठियों के काम की समीक्षा करने के विचार के बारे में कई प्रश्न होते हैं। श्रीमती रूची के प्रश्न पढ़ें। क्या वे आपके अपने

प्रश्नों के समान ही हैं? आप उनका क्या उत्तर देंगे? यदि आप से संभव हो, तो किसी सहकर्मी के साथ उनके प्रश्नों पर चर्चा करें।

यहाँ एक अन्य शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा दिए गए उत्तर प्रस्तुत हैं। आप इनमें से किन उत्तरों से सहमत हैं? उन्हें पढ़ें और देखें कि क्या ये आपकी अपनी कक्षा में उपयोगी होंगे:

- सहपाठियों के लिखित कार्य को सही करने के लिए छात्र–छात्राओं के पाठों को उन्हें सावधानी से पढ़ना आवश्यक होता है। पठन की क्रिया छात्र–छात्राओं के लिए एक सीखने का अनुभव होता है। चाहे वे सुधार न भी कर पाएं तो भी, वे इस बारे में एक सामान्य विचार बना सकेंगे कि गद्यांश में क्या गलत है।
- छात्र–छात्राओं को समूह और जोड़ी की गतिविधियों में शामिल करने से बहुत सारा शोरगुल तो होता है, लेकिन ऐसा केवल शुरुआत में होता है। जब छात्र–छात्रा किसी गतिविधि के लिए समूह बनाने के अभ्यस्त हो जाते हैं तो, वे शीघ्रता से कार्यमग्न हो जाते हैं।
- सामूहिक समीक्षा गतिविधियों को आजमाने से पहले, इस योजना को प्रधानाध्यापक के साथ साझा करना अच्छा विचार होगा। इस तरह से, आप उनका समर्थन प्राप्त कर सकते हैं और अन्य सहकर्मियों से मदद भी माँग सकते हैं।

केस स्टडी 3: छात्र–छात्राओं से एक दूसरे के लिखित कार्य की समीक्षा करवाने के लिए श्री मोहन एक तरीका अपनाते हैं

श्रीमती पल्लवी माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापिका थीं। गत वर्ष, जब श्रीमती पल्लवी ने एक नए अंग्रेजी शिक्षक, श्री मोहन को नियुक्त किया तो उन्होंने पाया कि वे हर समय शिकायत करते रहते थे कि उन्हें बहुत सारी गलतियाँ सुधारनी पड़ती हैं। उन्होंने श्री मोहन और अन्य अंग्रेजी शिक्षकों को बताने का निश्चय किया कि छात्र–छात्राओं से एक दूसरे के काम की समीक्षा कैसे करवाई जाय। उन्होंने कक्षा 9, जो एक खास तौर पर बड़ी और शोरगुल भरी कक्षा थी, को चुना और उन्हें लेखन का एक काम दिया। श्री मोहन ने अपने अनुभव के बारे में अपनी पत्रिका में लिखा।

जब छात्र–छात्राओं ने अपने पाठ संरचित कर लिए, तब श्रीमती पल्लवी ने कक्षा को पाँच समूहों में बाँटा, और उन्हें नाम दिए: व्याकरण-विद्वान, विराम चिह्न विशेषज्ञ, विषय-वस्तु संग्राहक, स्पेल चेकर और स्टाइल गुरू। उन्होंने कक्षा को पुनर्व्यवस्थित भी किया ताकि प्रत्येक समूह के सदस्य एक डेस्क पर आमने सामने बैठें।

श्रीमती पल्लवी ने समूहों के सामने घोषित किया कि वे उनके अधिकारी हैं, और उन्हें उनके आलेखों की समीक्षा करने में उनकी मदद करनी होगी। छात्र–छात्रा बहुत रोमांचित हो गए। श्रीमती पल्लवी द्वारा समूहों के नामों के अर्थ स्पष्ट करने के बाद, छात्र–छात्रा समझ गए कि उन्हें क्या करना है।

उन्होंने अपने निर्देश स्पष्ट कर दिए: व्याकरण-विद्वानों को सूनामी पर लिखे हरेक लेखांश की व्याकरण सही करनी थी, विराम चिह्न विशेषज्ञों को विराम चिह्न की गलतियों की जाँच करनी थी, इत्यादि। हर समूह के पास एक अलग काम था, और जब वे अपने आलेखों की जाँच समाप्त कर लेते, तो उन्हें वह सेट अगले समूह तक पहुँचाना था। श्रीमती पल्लवी ने गतिविधि के लिए एक नियम बनाया कि प्रत्येक समूह को अलग रंग का उपयोग करके गलतियाँ दर्शानी होंगी, क्योंकि गलतियों को अलग अलग रंगों में दर्शाने से लेखक को बिल्कुल सही ढंग से पता लगाने में मदद होगी कि किस प्रकार का संशोधन आवश्यक है (व्याकरण, विराम चिह्न, आदि)।

छात्र–छात्राओं ने यह काम कक्षा के तीन पीरियडों (घंटियों) में पूरा किया। श्रीमती पल्लवी ने हर लेखक को आलेख लौटा दिए, और उनसे दस मिनट के लिए चुपचाप बैठकर किए गए संशोधनों को पढ़ने को कहा। उन्होंने कक्षा में चक्कर लगाया, रुक-रुक कर छात्र–छात्राओं से हुई गलतियों को स्पष्ट किया, तथा उन्हें तदनुसार बदलने में उनकी मदद की।

मैंने देखा कि उनकी कल्पनाशीलता के कारण, श्रीमती पल्लवी ने एक कठिन काम को सरल बना दिया था। समूहों के दिलचस्प नाम रखने का विचार मुझे खास तौर पर पसंद आया। मेरे लिए श्रीमती पल्लवी को छात्र–छात्राओं से एक दूसरे के काम की समीक्षा करवाने का उपाय छात्र–छात्राओं के लिए एक सीखने का एक बहुत अच्छा अनुभव था। मैने पाया कि इससे शिक्षक/शिक्षिका के समय की भी बचत होती है। मैंने इसे अपनी खुद की कक्षाओं में आजमाने का निश्चय किया।

गतिविधि 4: कक्षा में आजमाएं – लिखित काम की सहपाठियों द्वारा समीक्षा

अगली बार जब आपके छात्र–छात्रा अंग्रेजी में कोई लेखन कार्य करें, तब उनसे उनके अपने काम, या अपने सहपाठियों के काम की समीक्षा करवाएं। आप भी केस स्टडी 3 की प्रधानाध्यापक की तरह ही कर सकते हैं, और अपने छात्र–छात्राओं को लेखन के अलग अलग पहलुओं की खोज करने वाले समूहों में बाँट सकते हैं: व्याकरण, विराम चिह्न, स्पेलिंग, विषय-वस्तु और शैली।

एक वैकल्पिक तकनीक है इसके लिए जाँचसूची का उपयोग करना (देखें संसाधन 3 और इकाई निर्माणात्मक आकलन के माध्यम से भाषा सीखने में सहायता करना)। मुख्य बिंदुओं को चार्ट पेपर के एक टुकड़े पर लिखें और उसे दीवार पर चिपकाएं ताकि छात्र–छात्रा उसे हर समय देख सकें। इस जाँचसूची से, छात्र–छात्रा एक दूसरे के काम को पढ़ सकते हैं और गलतियों या उन बातों के बारे में टिप्पणी कर सकते हैं जिन्हें सुधारा जा सकता है।

पाठों की समीक्षा कर लेने के बाद, छात्र–छात्रा अपने काम को अदल-बदल कर सकते हैं, और फिर अपने सहपाठियों की टिप्पणियों का उपयोग करते हुए अंतिम मसौदा लिख सकते हैं।

क्या छात्र–छात्राओं को इस गतिविधि में मज़ा आया? उन्होंने क्या सीखा? आप अगली बार गतिविधि में कैसे सुधार कर सकते हैं?

4 सारांश

इस इकाई में आपके छात्र–छात्राओं के लेखन को विकसित करने के लिए कक्षा की कई अलग अलग तकनीकों को समझाया गया है: विचारमंथन, जोड़ी में काम और सहपाठियों द्वारा समीक्षा। इन सभी तकनीकों में आप इस विचार का उपयोग करते हैं कि सीखना एक सामाजिक गतिविधि हो सकती है जिसमें आप और आपके छात्र–छात्रा एक दूसरे के विचारों और अनुभवों को साझा करके और उन्हें आधार बना कर ज्ञान का सह-निर्माण कर सकते हैं।

इस इकाई की तकनीकों का उपयोग करने से आपके सभी छात्र–छात्राओं को अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में अधिक प्रभावी तथा सटीक लेखन कार्य करने में मदद मिलेगी। इससे उन्हें अपने रचनात्मक और महत्वपूर्ण कौशलों को विकसित करने, तथा अन्य लोगों के साथ सहयोग और साझा करने में भी मदद मिलेगी।

लेखन गतिविधियों के लिए अधिक विचार आप संसाधन 4 में पा सकते हैं। यदि आप स्वयं अपने लेखन कौशलों को सुधारना चाहते हैं, तो आप संसाधन 5 में लिंक्स और सुझाव पा सकते हैं। अतिरिक्त संसाधनों में आगे के पठन के लिए सुझाव भी दिए गए हैं।

इस विषय पर अन्य माध्यमिक अंग्रेजी शिक्षक / शिक्षिका विकास इकाइयाँ ये हैं:

- *अंग्रेजी में स्वतंत्र लेखन का समर्थन करना:* इस इकाई में आप लेखन कौशलों का विकास करने में छात्र–छात्राओं की मदद करने के बारे में अधिक सीख सकते हैं।
- *निर्माणात्मक आकलन के माध्यम से भाषा सीखने में सहायता करना:* इस इकाई में आप आकलन के प्रयोजनों के लिए लेखन गतिविधियों का उपयोग करने के बारे में अधिक जान सकते हैं।

छात्र–छात्राओं के लेखन कौशलों को विकसित करने के विचारों का सारांश

- यदि आपके पास गतिविधि करने के लिए अधिक समय नहीं है, तो आपके छात्र भले ही कम लिख सकते हैं, लेकिन प्रत्येक पर अधिक समय दें।
- आपको हर लेखन कार्य के साथ इस इकाई की हर बात नहीं करनी है। आप केवल विचार-मंथन या समीक्षा करने का निश्चय कर सकते हैं।
- आपको एक ही कक्षा में इस इकाई में सुझाई गई हर बात नहीं करनी है। आप एक कक्षा में विचारों की उत्पत्ति तथा नियोजन कर सकते हैं, दूसरी में पहला मसौदा लिखवा सकते हैं, और फिर किसी अन्य में उनकी समीक्षा करवा सकते हैं। कभी-कभी, मसौदों को लिखने के बीच समय छोड़ना अच्छा विचार होता है।
- छात्र–छात्राओं से उन गलतियों का रिकार्ड रखने को कहें जो वे बार-बार करते हैं। जब वे लिखते और समीक्षा करते हैं तब वे इसका सहारा ले सकते हैं।
- छात्र–छात्राओं से नियमित रूप से एक दूसरे के काम को पढ़वाएं। यह प्रेरणादायक होता है, और इससे गुणवत्ता व सटीकता में प्रायः सुधार होता है।
- अपने कुछ छात्र–छात्राओं के लिखित काम को समय-समय पर लेते रहें। काम की जाँच करें और उसका उपयोग अपने छात्र–छात्राओं के कार्यप्रदर्शन के रिकार्ड बनाने के लिए करें। सुनिश्चित करें कि आप हर बार अलग अलग छात्र–छात्राओं का काम लें, ताकि आप एक समयावधि में सारी कक्षा का काम देख सकें। (देखें इकाई *निर्माणात्मक आकलन के माध्यम से भाषा सीखने में सहयोग करना*।)

- जब भी आपसे हो सके लिखित काम प्रदर्शित करें। आप उसे ब्लैकबोर्ड पर, या दीवार पर रस्सी से लटका सकते हैं। एक बार फिर, यह छात्र–छात्राओं के लिए काफी प्रेरणादायक होता है, और उन्हें अपने प्रस्तुतिकरण के बारे में सोचने को मजबूर करता है।

संसाधन

संसाधन 1: सीखने के लिए बातचीत

सीखने के लिए बातचीत क्यों जरूरी है

बातचीत मानव विकास का हिस्सा है, जो सोचने-विचारने, सीखने और विश्व का बोध प्राप्त करने में हमारी मदद करती है। लोग भाषा का इस्तेमाल तार्किक क्षमता, ज्ञान और बोध को विकसित करने के लिए साधन के रूप में करते हैं। अतः, बातचीत को छात्र–छात्राओं को उनके अनुभवों के अंश के रूप में प्रोत्साहित करने का अर्थ होगा उनकी शैक्षणिक प्रगति का बढ़ना। सीखे गए विचारों के बारे में बात करने का अर्थ होता है:

- उन विचारों को परखा गया है
- तार्किक क्षमता विकसित और सुव्यवस्थित है
- जिससे छात्र–छात्रा अधिक सीखते हैं।

किसी कक्षा में रटा-रटाया दोहराने से लेकर उच्च श्रेणी की चर्चा तक छात्र–छात्रा वार्तालाप के विभिन्न तरीके होते हैं।

पारंपरिक तौर पर, शिक्षक / शिक्षिका की बातचीत का दबदबा होता था और इसे छात्र–छात्राओं की बातचीत या छात्र–छात्राओं के ज्ञान के मुकाबले अधिक मूल्यवान समझा जाता था। तथापि, पढ़ाई के लिए बातचीत में सीखने की योजना शामिल होती है ताकि छात्र–छात्रा इस ढंग से अधिक बात करें और अधिक सीखें तथा शिक्षक / शिक्षिका, छात्र–छात्राओं के पहले के अनुभव के साथ संबंध कायम कर सकें। यह किसी शिक्षक / शिक्षिका और उसके छात्र–छात्राओं के बीच प्रश्न और उत्तर सत्र से कहीं अधिक होता है क्योंकि इसमें छात्र–छात्रा की अपनी भाषा, विचारों और रुचियों को ज्यादा समय दिया जाता है। हम में से अधिकांश कठिन मुद्दे के बारे में या किसी बात का पता करने के लिए किसी से बात करना चाहते हैं, और शिक्षक / शिक्षिका बेहद सुनियोजित गतिविधियों से इस सहज-प्रवृत्ति को बढ़ा सकते हैं।

कक्षा में शिक्षण गतिविधियों के लिए बातचीत की योजना बनाना

शिक्षण की गतिविधियों के लिए बातचीत की योजना बनाना महज साक्षरता और शब्दावली शिक्षण के लिए नहीं है, यह गणित एवं विज्ञान के काम तथा अन्य विषयों के नियोजन का हिस्सा भी है। इसे समूची कक्षा में, जोड़ी कार्य या सामूहिक कार्य में, आउटडोर गतिविधियों में, भूमिका पर आधारित गतिविधियों में, लेखन, वाचन, प्रायोगिक छानबीन और रचनात्मक कार्य में योजनाबद्ध किया जा सकता है।

यहां तक कि साक्षरता और गणना के सीमित कौशलों वाले नन्हें छात्र भी उच्चतर श्रेणी के चिंतन कौशलों का प्रदर्शन कर सकते हैं, बशर्ते कि उन्हें दिया जाने वाला कार्य उनके पहले के अनुभव पर आधारित और आनंदप्रद हो। उदाहरण के लिए, छात्र–छात्रा तस्वीरों, आरेखणों या वास्तविक वस्तुओं से किसी कहानी, पशु या आकृति के बारे में पूर्वानुमान लगा सकते हैं। छात्र–छात्रा भूमिका निभाते समय कठपुतली या पात्र की समस्याओं के बारे में सुझावों और संभावित समाधानों को सूचीबद्ध कर सकते हैं।

जो कुछ आप छात्र–छात्राओं को सिखाना चाहते हैं, उसके इर्दगिर्द सीखने की योजना बनायें और इस बारे में सोचें, और साथ ही इस बारे में भी कि आप किस प्रकार की बातचीत को छात्र–छात्राओं में विकसित होते देखना चाहते हैं। कुछ बातचीत खोजपूर्ण होती है, उदाहरण के लिए: 'इसके बाद क्या होगा?', 'क्या हमने इसे पहले देखा है?', 'यह क्या हो सकता है?' या

'आप ऐसा क्यों सोचते हैं कि वह यह है?' कुछ अन्य प्रकार की बातचीत ज्यादा विश्लेषणात्मक होती हैं, उदाहरण के लिए विचारों, साक्ष्य या सुझावों का आकलन करना।

इसे रोचक और मज़ेदार बनायें और सभी छात्र–छात्राओं के लिए इस संवाद में भाग लेना संभव बनाने की कोशिश करें। छात्र–छात्राओं को उपहास का पात्र बनने या गलत होने के भय के बिना दृष्टिकोणों को व्यक्त करने और विचारों का पता लगाने में सहज होने और सुरक्षित महसूस करने की जरूरत होती है।

छात्र–छात्राओं की वार्ता को आगे बढ़ाएं

शिक्षण के लिए बातचीत शिक्षक/शिक्षिकाओं को निम्न अवसर प्रदान करती है:

- छात्र–छात्रा जो कहते हैं उसे सुनना
- छात्र–छात्राओं के विचारों की प्रशंसा करना और उस पर आगे काम करना
- इसे आगे ले जाने के लिए छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करना।

सभी उत्तरों को लिखना या उनका औपचारिक आकलन करना जरूरी नहीं, क्योंकि संवाद या बातचीत के जरिये विचारों को विकसित करना शिक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आपको उनके शिक्षण को प्रासंगिक बनाने के लिए उनके अनुभवों और विचारों का यथासंभव प्रयोग करना चाहिए। सर्वश्रेष्ठ छात्र–छात्रा वार्ता अन्वेषी होते हैं, जिसका अर्थ होता है कि छात्र–छात्रा एक दूसरे के विचारों की जांच करते हैं और चुनौती पेश करते हैं ताकि वे अपने प्रत्युत्तरों को लेकर आश्वस्त हो सकें। एक साथ बातचीत करने वाले समूहों को किसी के भी द्वारा दिए गए उत्तर को स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। आप समूची कक्षा की सेटिंग में 'क्यों?', 'आपने उसका निर्णय क्यों किया?' या 'क्या आपको उस हल में कोई समस्या नजर आती है?' जैसे जांच वाले प्रश्नों के अपने प्रयोग के माध्यम से चुनौतीपूर्ण विचारशीलता को तैयार कर सकते हैं। आप छात्र समूहों को सुनते हुए कक्षा में घूम सकते हैं और ऐसे प्रश्न पूछकर उनकी विचारशीलता को बढ़ा सकते हैं।

अगर छात्र–छात्राओं की बातचीत, विचारों और अनुभवों की कद्र और सराहना की जाती है तो वे प्रोत्साहित होंगे। बातचीत करने के दौरान अपने व्यवहार, सावधानी से सुनने, एक दूसरे से प्रश्न पूछने, और बाधा न डालना सीखने के लिए अपने छात्र–छात्राओं की प्रशंसा करें। कक्षा में कमजोर बच्चों के बारे में सावधान रहें और उन्हें भी शामिल किया जाना सुनिश्चित करने के तरीकों पर विचार करें। कामकाज के ऐसे तरीकों को स्थापित करने में थोड़ा समय लग सकता है, जिनसे सभी छात्र–छात्राओं को पूरी तरह से भाग लेने की सुविधा प्राप्त हो।

छात्र–छात्राओं को खुद से प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें

अपनी कक्षा में ऐसा वातावरण तैयार करें जहां अच्छे चुनौतीपूर्ण प्रश्न पूछे जायें और जहां छात्र–छात्राओं के विचारों को सम्मान दिया जाये और उऩकी प्रशंसा की जाये। छात्र–छात्रा प्रश्न नहीं पूछेंगे अगर उन्हें अपने साथ किए जाने वाले व्यवहार को लेकर भय होगा या अगर उन्हें लगेगा कि उनके विचारों का मान नहीं किया जाएगा। छात्र–छात्राओं को प्रश्न पूछने के लिए आमंत्रित करना उनको जिज्ञासा दर्शाने के लिए प्रोत्साहित करता है, उनसे अपने शिक्षण के बार में अलग ढंग से विचार करने के लिए कहता है और उनके नजरिए को समझने में आपकी सहायता करता है।

आप कुछ नियमित समूह या जोड़े में कार्य करने, या शायद 'छात्र–छात्राओं के प्रश्न पूछने का समय' जैसी कोई योजना बना सकते हैं ताकि छात्र–छात्रा प्रश्न पूछ सकें या स्पष्टीकरण मांग सकें। आप:

- अपने पाठ के एक भाग को 'अगर आपका प्रश्न है तो हाथ उठाएं' नाम रख सकते हैं।
- किसी छात्र–छात्रा को हॉट-सीट पर बैठा सकते हैं और दूसरे छात्र–छात्राओं को उस छात्र–छात्रा से प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं जैसे कि वे पात्र हों, उदाहरणत: पाइथागोरस या मीराबाई
- जोड़ों में या छोटे समूहों में 'मुझे और अधिक बताएं' खेल खेल सकते हैं
- मूल पूछताछ का अभ्यास करने के लिए छात्र–छात्राओं को कौन/क्या/कहां/कब/क्यों वाले प्रश्न ग्रिड दे सकते हैं

- छात्र–छात्राओं को कुछ डेटा (जैसे कि विश्व डेटा बैंक से उपलब्ध डेटा, उदाहरणत: पूर्णकालिक शिक्षा में बच्चों की प्रतिशतता या भिन्न देशों में स्तनपान की विशेष दरें) दे सकते हैं, और उनसे उन प्रश्नों के बारे में सोचने के लिए कह सकते हैं जो आप इस डेटा के बारे में पूछ सकते हैं
- छात्र–छात्राओं के सप्ताह भर के प्रश्नों को सूचीबद्ध करते हुए प्रश्न दीवार डिज़ाइन कर सकते हैं।

जब छात्र–छात्रा प्रश्न पूछने और उन्हें मिलने वाले प्रश्नों के उत्तर देने के लिए स्वतंत्र होते हैं तो उस समय आपको उनकी रुचि और विचारशीलता के स्तर को देखकर हैरानी होगी। जब छात्र–छात्रा अधिक स्पष्टता और सटीकता से संवाद करना सीख जाते हैं, तो वे न केवल अपनी मौखिक और लिखित शब्दावलियाँ बढ़ाते हैं, अपितु उनमें नया ज्ञान और कौशल भी विकसित होता है।

संसाधन 2: सर्वोच्च वरीयता वाली महिला टेनिस खिलाड़ी

तालिका R1.1 1975 से सर्वोच्च वरीयता प्राप्त महिला टेनिस खिलाड़ी।

नम	**वरीयता प्राप्त करने की तिथि**	**न. 1 के रूप में बीते सप्ताह**
Maria Sharapova (Russia)	22 अगस्त 2005	1
Lindsay Davenport (US)	अक्तूबर 2004	82
Amelie Mauresmo (France)	13 सितंबर 2004	5
Justine Henin-Hardenne (Belgium)	20 अक्तूबर 2003	45
Kim Clijsters (Belgium)	11 अगस्त 2003	12
Serena Williams (US)	8 जुलाई 2002	57
Venus Williams (US)	25 फरवरी 2002	11
Jennifer Capriati (US)	15 अक्तूबर 2001	17
Lindsay Davenport (US)	12 अक्तूबर 1998	82
Martina Hingis (Switzerland)	31 मार्च 1997	209
Arantxa Sanchez-Vicario (Spain)	6 फरवरी 1995	12
Monica Seles (US)	11 मार्च 1991	178
Steffi Graf (Germany)	17 अगस्त 1987	377
Tracy Austin (US)	7 अप्रैल 1980	22
Martina Navratilova (US)	10 जुलाई 1978	331
Chris Evert (US)	3 नवंबर 1975	362

(स्रोत: NCERT कक्षा 9 पाठ्यपुस्तक *मधुमक्खी का छत्ता*)

संसाधन 3: एक जाँच–सूची जिसका उपयोग छात्र–छात्रा अपने स्वयं के या अपने सहपाठियों के लेखन की समीक्षा करने के लिए कर सकते हैं

किसी भी लिखित काम की समीक्षा करने के लिए यहाँ एक उपयोगी जाँच–सूची उपलब्ध है। आप इस प्रकार की जाँच–सूचियों का उपयोग लिखित काम को सही करने, जाँचने और आकलन करने के लिए कर सकते हैं (देखें *सतत् आकलन के माध्यम से भाषा सीखने का समर्थन करना*):

- क्या पाठ काम को पूरा करता है? (क्या छात्र–छात्रा ने वह पाठ लिखा है जिसे लिखने के लिए उसे कहा गया था? उदाहरण के लिए, क्या छात्र–छात्रा ने स्थानीय क्रिकेट मैच के बारे में अखबार की रिपोर्ट लिखी है, या क्या छात्र–छात्रा ने अपने पसंदीदा क्रिकेट खिलाड़ी की जीवनी के बारे में लिखा है?)
- क्या पाठ स्पष्ट और समझने में आसान है? क्या वह संगठित है और तर्कसंगत रूप से अनुक्रमित है?
- क्या शब्दावली काफी विस्तृत है? क्या शब्दों को प्रायः दोहराया गया है?
- क्या कोई स्पेलिंग या व्याकरण की गलतियाँ या विराम चिह्न की गलतियाँ हैं?
- क्या शैली पाठक के लिए उपयुक्त है? (उदाहरण के लिए, अखबार के लिए क्रिकेट की रिपोर्ट में तथ्य होने चाहिए, और वह पढ़ने में रोचक होनी चाहिए।)
- पाठ के बारे में क्या बात अच्छी है? इसमें दिलचस्प बात क्या है?

संसाधन 4: अधिक लेखन गतिविधियाँ

- वे लेखन गतिविधियाँ जो लेखन प्रक्रिया के चरणों का उपयोग करती हैं: http://www.readwritethink.org/professional-development/strategy-guides/implementing-writing-process-30386.html
- लेखन गतिविधियों के लिए विचारों की सूची: https://www.teachingenglish.org.uk/article/writing-activities

संसाधन 5: स्वयं अपनी अंग्रेज़ी का विकास करें

आपके अपने लेखन कौशलों को विकसित करने के लिए यहाँ कुछ सुझाव प्रस्तुत हैं:

- जितनी संभव हो उतनी अधिक अंग्रेजी पढ़ें। अच्छे लेखक अक्सर अच्छे पाठक भी होते हैं! यथासंभव अधिक पढ़ना अपनी शब्दावली और भाषा के उपयोग को विकसित करने में आपकी मदद करेगा।
- आपसे जितना संभव हो सके उतना अंग्रेजी में लिखें: खरीदारी की सूचियाँ, डायरियाँ, नोट्स – जो भी आपसे हो सके। इससे लेखन में आत्मविश्वास विकसित करने में आपको मदद मिलेगी, और आपकी वाक्पटुता विकसित होगी।
- याद रखें कि जब आप कुछ लिखते हैं तो आप समय ले सकते हैं। आप जितने मसौदे चाहे लिख सकते हैं, और अपने काम को संशोधित और संपादित कर सकते हैं।
- अपने लिखित काम को अपने समकक्षों के साथ साझा करें। प्रतिक्रिया प्राप्त करना हमेशा एक अच्छा विचार होता है।

अतिरिक्त संसाधन

लेखन की प्रक्रिया के बारे में लेखों के लिए लिंक्स:

- 'Approaches to process writing': http://www.teachingenglish.org.uk/articles/approaches-process-writing
- 'Product process writing: a comparison': http://www.teachingenglish.org.uk/articles/product-process-writing-a-comparison

- ‘Planning a writing lesson’: http://www.teachingenglish.org.uk/article/planning-a-writing-lesson
- ‘How to approach discursive writing’: http://www.teachingenglish.org.uk/article/how-approach-discursive-writing
- Creativity and brainstorming in ELT: http://eslbrainstorming.webs.com/
- ‘Effective writing’: http://orelt.col.org/module/4-effective-writing

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

National Council of Educational Research and Training (2006a) *Beehive: Textbook in English for Class IX*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 27 August 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006a) *Honeydew: Textbook in English for Class VIII*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 27 August 2014).

National Focus Group on Teaching of English © National Council of Educational Research and Training, 2006.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस इकाई में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

संसाधन 2: तालिका R1.1 कक्षा 9 की पाठ्यपुस्तक मधुमक्खी का छत्ता (2006), NCERT से अनुकूलित, http://ncert.nic.in/।
(Table R1.1 adapted from the Class XI textbook Beehive (2006), NCERT,http://ncert.nic.in/.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर संभव प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।